शिविर लगाकर बताये तम्बाकू के दुष्प्रभाव

एक प्रतिनिधि

कानपुर। गणतंत्रदिवस के शुभ अवसर पर बाबूपुरवा में जननी दा मदर नामक सामाजिक संस्था ने विशेषज्ञ डाक्टरों की देखरेख में तम्बाकू निषेध एक शिविर का आयोजन किया। शिविर में भारी संख्या में लोगों ने तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे मे जानकारी ली व इससे निजात पाने के लिये पूछताछ की। इस अवसर पर उचित उपचार के अलावा निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया।

बाबूपुरवा के इसाई मैदान पर लगाये गये निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में परीक्षण कराने के लिये भारी संख्या में लोगों का जमावड़ा लगा रहा।

संस्था द्वारा इससे पहले भी कई बार निशुल्क शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। शिविर में लगभग दो सौ लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इसमें से अधिकांश लोग तम्बाकू से निर्मित सिगरेट, गुटखा आदि से पीड़ित रहे। अधिकांश लोगों का पूरा जबड़ा नही खुल रहा था। वहीं कई के मुंह में काले सफेद चकत्ते एवं घाव नजर आ रहे थे। संस्था के सचिव जय राघवेंद्र सिंह गौर ने परीक्षण कराने आये मरीजों को संबोधित करते हुये कहा कि अगर गुटखा व अन्य तम्बाकू से निर्मित पदार्थों का इसी तरह सेवन किया जाता रहा तो देश का एक बड़ा भाग कैंसर से पीड़ित होगा और यह आघात गरीब

'जननी द मदर' संस्था के शिविर में तम्बाकू रोगों से पीड़ित 250 लोगों ने उपचार के लि

और पीड़ित जनता के लिये बहुत नुकसानदायक है। गुटखे के पाउच में लिखित वैधानिक चेतावनी को गंभीरता से लिया जाना चाहिये। तम्बाकू के सेवन रोकने के लिये न तो सरकार और न ही प्रशासन कोई कार्रवाई कर रहा है। जबकि वैधानिक चेतावनी लिखवाकर वह अपनी जिम्मेदारी से मुक्ति पा गया है। इस अवसर पर डा सुनील कुमार सक्सेना के अलावा जय राघवेंद्र सिंह गौर, विभोर तिवारी, सचिन शुक्ला, नवीन शर्मा, धर्मेंद्र व गोविंद आदि शामिल हुये।

कानपुर
हिन्दुस्तान कानपुर, शुक्रवार, 1 जून, 2007

90% मुख कैन्सर गुटखे से

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर शहर में हुए कई आयोजन

आईएमए ने फूँका तम्बाकू उत्पाद का पुतला, हानियाँ बताईं

कानपुर (हिसं.)। देश में लगभग 16 करोड़ पुरुष और सात करोड़ महिलाएँ तम्बाकू पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। मुख कैन्सर के 90 फीसदी रोगी गुटखा सेवन करते हैं और तम्बाकू पदार्थों के सेवन से शरीर का हर अंग किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। तम्बाकू के सेवन से देश में प्रत्येक मिनट में दो व्यक्ति मौत के मुँह में जा रहे हैं। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के मौके पर शहर में विभिन्न कार्यकर्मों के दौरान लोगों को ये जानकारियाँ देकर तम्बाकू पदार्थों से होने वाली हानियों के प्रति जागरुक किया गया।

आईएमए के साथ लायन्स क्लब आदर्श, आस्था, गैन्जेज, यूनिक और ब्रह्मावर्त ने मिलकर विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम में लोगों के सामने बीड़ी, सिगरेट, पानमसाला, गुटखा, जर्दा, की होली जलाई गई और हानि के प्रतीक स्वरूप बनाए गए पुतले को फूँक कर जनता में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया। तम्बाकू सेवन करने वाले लोगों से रजिस्टर में हस्ताक्षर कराते हुए उसे छोड़ने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया गया।

हाल में दीप प्रज्वलन के बाद शुरू हुए कार्यक्रम में आईएमए अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सक्सेना ने कहा कि लगभग 50 फीसदी लोग किसी न किसी रूप में तम्बाकू पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। शहर में इसके पीड़ितों की संख्या विश्व के किसी शहर से सर्वाधिक है। सचिव जोगिन्दर सिंह ने कहा कि तम्बाकू में लगभग 4 हजार से अधिक तत्व होते हैं जिसमें लगभग 50 तत्व अत्यंत हानिकारक होते हैं। डॉ. एसके अरोरा ने कहा कि 90 फीसदी मुख कैंसर के रोगी गुटखा सेवन के कारण सामने आ रहे हैं।

डॉ. नंदिनी रस्तोगी ने कहा कि तम्बाकू के सेवन से गर्भवती महिलाओं में गर्भपात, समय पूर्व प्रसव, गर्भ में बच्चे की मृत्यु का डर रहता है। मीना मेहरोत्रा, लता गोयल, डॉ. एसके मेहरोत्रा, डॉ. सीएस वर्मा, डॉ. देवाशीष देवोराय ने भी विचार व्यक्त किया। यहाँ अरुण जाजू, राकेश गोयल, आरके मेहरोत्रा आदि उपस्थित थे। जननी द मदर संस्था ने डफरिन मोड़ पर शिविर लगा कर लोगों को तम्बाकू से होने वाली हानियों की जानकारी दी। यहाँ लगभग एक हजार लोगों से बातचीत की गई और 250 लोगों ने उपचार के लिए पंजीकरण कराया। यहाँ राघवेन्द्र सिंह गौर, पंकज कुमार मिश्र, धर्मेन्द्र शुक्ला, सचिन शुक्ला, मानवेन्द्र सिंह गौर, विभोर आदि थे। इसके अलावा होम्योपैथिक केन्द्र आरोग्य धाम, हसरत मोहानी हास्पिटल, राष्ट्रीय जन विकास पार्टी, डीएमयू इंटर कालेज ने भी तम्बाकू निषेध दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आईएमए अध्यक्ष ने लिया गुटखा छोड़ने का संकल्प

कानपुर (हिसं)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने वाली डॉक्टरों की संस्था आईएमए के शहर अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सक्सेना ने भी इस मौके पर पान मसाला, गुटखा छोड़ने का निश्चय किया। जेब से सौंफ की डिब्बी निकालते हुए उन्होंने कहा कि गुटखा छोड़ने के लिए यह सबसे अच्छा साधन है।